

FORM NO- III

फर्त अहकाम

(नियम 20)

जज अदालतउपखंड अधिकारी,.....मुकाम.....बयाना.....
डालचंद आदि.....बनाग.....गंगतीरिह बगैरह.....किस्म
 मुकदमा.....प्रार्थना-पत्र 212 राज.टी.एक्ट.....नं.....उप.....रान.....22

| तारीख हुक्म | हुक्म या कार्यवाही गय इनिशियल जज | नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए |
|-------------|--|--|
| 07.12.2022 | <p>एडवोकेट प्रार्थी ने यह प्रार्थना-पत्र धारा 212 राज. टी. एक्ट के तहत पेश किया। हमने एडवोकेट प्रार्थी को एक पक्षीय सुना। पत्रावली में संलग्न राजस्व अभिलेख का अवलोकन किया। प्रकरण प्रथम दृष्टया प्रार्थीगण के हक में कयास आता है कि अप्रार्थीगण के विरुद्ध अंतरिम अस्थायी निषेधाज्ञा आगामी तारीखपेशी दिनांक 13.04.2023 तक इस आशय का जारी किया जाता है आराजी खसरा नंबर 1007 रकवा 0.47, 86 रकवा 0.09, 87 रकवा 0.97, 979 रकवा 0.54, 980 रकवा 0.11 वाके ग्राम बागरैन तहसील बयाना में प्रार्थीगण के हिस्से की आराजी के मौके की यथास्थिति बनाए रखे। विवादित आराजी में किसी प्रकार का कच्चा पक्का निर्माण नहीं करें। इस बाबत कोई आपत्ति हो तो नियत तारीख पेशी को न्यायालय हाजा उपस्थित हों। प्रकरण दर्ज रजिस्टर हो और अप्रार्थीगण को जरिए नोटिस तलब कर पत्रावली दिनांक 13.04.2023 को पेश हो।</p> <p>पीठासीन अधिकारी है पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 26/11/23 को पेश हो</p> <p>रीडर एस.डी.ओ./एस.डी.एम. बयाना</p> <p>पीठासीन अधिकारी है पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 26/11/23 को पेश हो</p> <p>रीडर एस.डी.ओ./एस.डी.एम. बयाना</p> <p>पीठासीन अधिकारी है पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 26/11/23 को पेश हो</p> <p>रीडर एस.डी.ओ./एस.डी.एम. बयाना</p> | |

13/5/24 - 1950 गणपती उजळी प्रमाणे 13/5/24 को प्रमाणे
 13/5/24. प्रमाणे 13/5/24 को प्रमाणे
 प्रमाणे 13/5/24 को प्रमाणे

13/5/24

पीठासीन अधिकारी
 पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 13/5/24 को प्रमाणे
 सीडर
 ओ/एस.डी.एम.

11/5/24 पीठासीन अधिकारी कुवकाशा जी
 पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 11/5/24 को प्रमाणे
 सीडर
 ओ/एस.डी.एम.

24/5/24 1950 गणपती उजळी प्रमाणे 24/5/24 को प्रमाणे
 प्रमाणे 24/5/24 को प्रमाणे

13/5/25 1950 गणपती उजळी प्रमाणे 13/5/25 को प्रमाणे
 प्रमाणे 13/5/25 को प्रमाणे
 पीठासीन अधिकारी
 पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 13/5/25 को प्रमाणे
 सीडर
 ओ/एस.डी.एम.

23/9/28 प्रमुख पेश इका प्रकरणे 23/9/28 प्राविमिण
 व उने फरिमा अपुण प्रमुख के प्रमुख
 में न्यायालय झा ले बा-बा-बावाण
 लगाई गई। बावाण उपरान्त श्री प्रमुख
 में कोई उपलब्धी।
 अतः प्रमुख इका प्रकरणे पर अदम धारिणी व
 अदम पेशी में खारिज किमा जात है। प्रमुख
 फौजल शुमार बीमार नम्बर से मत हो बा-
 वामील कार्मिल प्रकरणे